सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 133 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 18 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

महानता कभी न गिरने में नहीं है बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है।
-कन्फ्यूशियस

अग्निपथ का विरोध, टिकैत के नेतृत्व... 8 | रामपुर लोक सभा उपचुनाव: आजम... 3 | लखनऊ में टैंकर से भिड़ी पिकअप... 7

'अग्निपथ' की आग और भड़की
यूपी-बिहार में फूंके वाहन, पथराव
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुलाई बैठक

» बिहार में बंद के दौरान आगजनी, फायरिंग, दागे गए आंसू गैस के गोले इंटरनेट सेवा बंद

» जौनपुर-मिर्जापुर में हिंसक प्रदर्शन, बाइक, बस व जीप में लगाई आग, पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

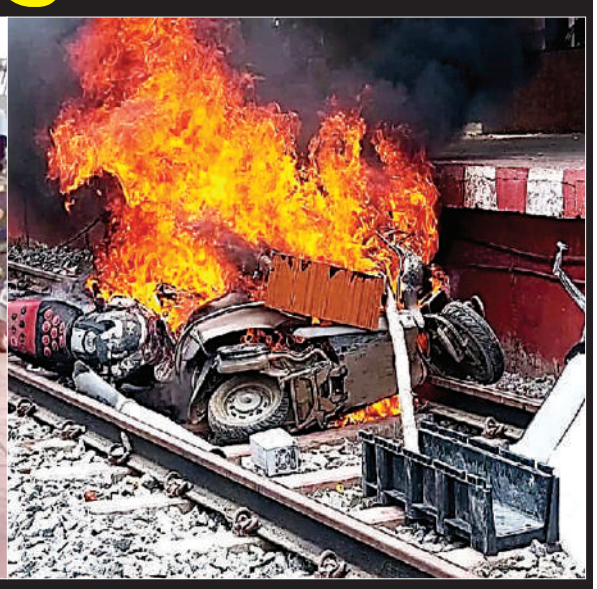

नई दिल्ली। अग्निपथ भर्ती योजना को लेकर हिंसा की आग भड़कती जा रही है। बिहार और यूपी में आज भी प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। बिहार में बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने रेलवे स्टेशन को फूंक दिया। कई जगह वाहन फूंके गए। पुलिस पर पथराव किया गया। कई जिलों में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी है। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे। यूपी के जौनपुर में प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों में आग लगा दी। चंदौली में रेलवे ट्रैक जाम कर दिया। मिर्जापुर में यात्री बस पर पथराव किया गया। अन्य राज्यों में भी प्रदर्शन हुए। वहीं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अग्निपथ भर्ती योजना पर सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों के साथ दिल्ली में बैठक की।

बिहार में आज बंद का आह्वान किया गया था। इस दौरान यहां जमकर हिंसा हुई। प्रदर्शनकारियों ने जहानाबाद में एक ट्रक और एक बस में आग लगा दी। तारेगना स्टेशन पर पथराव और आगजनी की गई। जीआरपी कार्यालय के पास सरकारी गाड़ी जला दी। यहां पुलिस ने हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले दागे। अरवल, मुंगेर, जमुई, दरभंगा, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में जमकर हिंसा हुई। प्रदर्शनकारियों ने एंबुलेंस पर हमला कर दिया जिससे मरीज घायल हो गया। वहीं बिहार सरकार ने हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए 15 जिलों में 19 जून तक इंटरनेट सेवा सस्पेंड कर दी है। यूपी के जौनपुर में प्रदर्शनकारियों ने जौनपुर-प्रयागराज हाईवे पर कई बाइकें, दो रोडवेज बसें और एक पुलिस की गाड़ी समेत कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। बस, बाइक और जीप में आग लगा दी। पुलिस पर पथराव किया गया। इससे कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात को काबू करने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले छोड़े फिर हवाई फायरिंग की। प्रदर्शनकारियों ने मिर्जापुर से सवारियों को लेकर कानपुर जा रही बस पर पथराव कर दिया। घटना में बस के शीशे टूट गए और उसमें सवार यात्री घायल हो गए। लुधियाना में रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई है। हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हरियाणा सरकार ने आज भी पलवल और बल्लभगढ़ में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में युवाओं ने धरना दिया।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला

अग्निपथ योजना का विरोध करने के दौरान हुई हिंसा की जांच करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस याचिका में मांग की गई है कि सरकार इस बात का आंकलन करे कि हिंसक प्रदर्शन की वजह से सरकारी संपत्ति को कितना नुकसान हुआ। याचिका में ये भी मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत एक जज की अध्यक्षता में एक्सपर्ट कमेटी बनाई जाए। ये एक्सपर्ट कमेटी पूरे स्कीम का अध्ययन करे और राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इसके प्रभाव की भी जांच करे।

असम राइफल्स व सीएपीएफ और रक्षा मंत्रालय में अग्निवीरों को मिलेगा दस फीसदी आरक्षण

गृह मंत्रालय ने असम राइफल्स व सीएपीएफ में अग्निवीरों के लिए 10 फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है। ये भी कहा है कि चार साल की सेवा पूरी कर चुके अग्निवीरों को अधिकतम आयु सीमा में भी तीन साल की छूट दी जाएगी। पहले बैच के अग्निवीरों के लिए छूट की ये सीमा पांच साल रहेगी। वहीं रक्षा मंत्रालय ने भी दस फीसदी आरक्षण का ऐलान किया है।

यूपी में गिरफ्तार किए गए 260 लोग

उत्तर प्रदेश में अग्निपथ योजना के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शन में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चार जिलों में छह एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा अब तक 260 लोग गिरफ्तार किए गए हैं।

अग्निपथ को लेना होगा वापस: राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 8 सालों से लगातार भाजपा सरकार ने 'जय जवान, जय किसान के मूल्यों का अपमान किया है। मैंने पहले भी कहा था कि प्रधानमंत्री जी को काले कृषि कानून वापस लेने पड़ेंगे। ठीक उसी तरह उन्हें 'माफीवीर बनकर देश के युवाओं की बात माननी पड़ेगी और अग्निपथ को वापस लेना ही पड़ेगा।

युवाओं में फैलाई जा रही गलतफहमी : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने काफी विचार-विमर्श के बाद इस योजना का ऐलान किया है। युवाओं के बीच गलतफहमी फैलाई जा रही है जिससे यह मुश्किल स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह योजना सैनिकों के लिए क्रांतिकारी बदलाव लाएगी और भर्ती होने वाले कर्मियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। योजना के खिलाफ कुछ विरोध राजनीतिक कारणों से हो सकते हैं लेकिन हम जो राजनीति करते हैं, वह देश के लिए है।

थोपे जा रहे मनमानी भरे फैसले: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, राय, सलाह, मंत्रणा, सम्मति, मशवरा, परामर्श, विचार-विमर्श, संयुक्त निर्णय, सामूहिक बैठक ये लोकतांत्रिक शब्द भाजपाई शब्दकोश में नहीं हैं। तभी बार-बार देश पर मनमानी भरे फैसले थोपे जा रहे हैं, जिससे देश की ऊर्जा व जनशक्ति सरकार की जनविरोधी नीतियों व योजनाओं के विरोध में ही बर्बाद हो रही है।

8 ट्रेनों को किया गया रद्द

पूर्व मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में अग्निपथ योजना के खिलाफ चल रहे आंदोलन के कारण पश्चिम बंगाल के विभिन्न शहरों से आने वाली और बिहार के शहरों से आने वाली कुल 8 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

धरने पर बैठे जयंत

अग्निपथ योजना को लेकर राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने किसान घाट पर धरना प्रदर्शन किया। जयंत चौधरी का कहना है कि विरोध जायज है लेकिन इसमें हिंसा की जगह नहीं होनी चाहिए इसीलिए हम यहां शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मौन धारण कर रहे हैं। सरकार छात्रों का सम्मान करे। आर्मी के मूल ढांचे का सम्मान करे। संसद की डिफेंस कमेटी में ये मामला सामने आना चाहिए था। संसद को विश्वास में लिया जाना चाहिए था। बंद कमरे में मोदीजी को फैसले लेने की आदत है। ये किसी को गंवारा नहीं और इसी का नुकसान हम सब लोग सहन कर रहे हैं।

यूपी के हर जिले में बनेगा निर्यात हब : अनुप्रिया

» 2025 तक एक ट्रिलियन डालर का योगदान देगा यूपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2025 तक भारत पांच ट्रिलियन डालर की आर्थिक ताकत बनने के लक्ष्य के साथ बढ़ रहा है, जिसमें यूपी एक ट्रिलियन की भागीदारी करेगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया कि यूपी के हर जिले में निर्यात हब बनेगा। इन्वेस्टर्स समिट से सूबे में जहां निवेश बरस रहा है, वहीं केंद्रीय मंत्रालय ने उद्योगों को जमीन देने के लिए इंडस्ट्रियल लैंडबैंक बनाया है। कई देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का बड़ा फायदा यूपी को मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यूपी के लिए अलग निर्यात नीति बनाई गई है।

भारत यूएई, आस्ट्रेलिया, कनाडा समेत अन्य देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट-एफटीए कर रहा है, जिससे मझोले एवं लघु उद्यमियों को शून्य शुल्क पर ग्लोबल मार्केट मिलेगी। इसमें यूपी की बड़ी भागीदारी होगी। यहां पर कृषि, हैंडलम, फूड, चर्म एवं अन्य कई प्रकार के उद्योग हैं। एक जिला-एक उत्पाद के तहत जहां प्रदेश सरकार निवेशकों को तमाम सहूलियतें दे रही है, वहीं केंद्र सरकार हर

जिले में एक्सपोर्ट हब बना रही। जिलों में एक कमेटी बनाकर निर्यात की सभी संभावनाओं को धार दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि निर्यातकों के खर्च को कम करने के लिए केंद्र सरकार देशभर में 35 मल्टीमाडल लाजिस्टिक पार्क बना रही है, जिसमें एक नोएडा में भी बनेगा। यहां एक छत के नीचे तमाम सुविधाएं होंगी।

कोरोना के बावजूद बढ़ा निर्यात

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि कोरोनकाल के दौरान औद्योगिक गतिविधियां रुक गई थीं, लेकिन भारत दुनिया में सबसे तेजी से रिकवर कर रहा है। मर्चेंटाइल का 675, जबकि सर्विस सेक्टर ने 254 बिलियन डालर का आंकड़ा पार किया। आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत दर्ज की गई। एफटीए यानी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के जरिए निर्यात की नई राहें खुल रही हैं। विश्व व्यापार संगठन में भारत ने विकसित एवं विकासशील देशों के साथ अलग-अलग नीतियों के साथ व्यापार करने का सुझाव रखा।

आर्टिफिशियल इंटलीजेंस के जरिए उच्च तकनीकों को अपनाया जा रहा है। लाजिस्टिक पर खर्च 13 से अब आठ प्रतिशत करने का लक्ष्य है। यूपी में डेडीकेटेड फ्रेड कोरीडोर, नए एक्सप्रेस वे व हाइवे निर्माण तेज कर इकोनोमी को नई रफ्तार दी जा रही है। बिजली, इंटरनेट एवं ब्राडबैंड से कनेक्टिविटी बढ़ाई जा रही है।

सपा को अपने गढ़ आजमगढ़ में लगा झटका

» पूर्व विधायक रामदर्शन यादव थामेंगे भाजपा का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ में सपा के पूर्व विधायक रामदर्शन यादव सपा की साइकिल से उतरकर आज भाजपा में शामिल हो जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के समक्ष यह सदस्यता ग्रहण करेंगे। पूर्व विधायक रामदर्शन यादव की गिनती सपा के संस्थापक सदस्यों में गिने जाते हैं। जिले की मुबारकपुर विधानसभा से पूर्व विधायक रहे राम दर्शन यादव 1993 में विधायक चुने गए। 2012 के विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज होकर रामदर्शन यादव ने भाजपा के सिंबल से चुनाव लड़ा और मामूली अंतर से चुनाव हार गए।

हालांकि राम दर्शन यादव ज्यादा दिन नाराज नहीं रह सके। 2014 को लोकसभा चुनाव लड़ने आए तत्कालीन सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव ने पुराने साथी राम दर्शन यादव को मना लिया और एमएलसी बनाने का आश्वासन दिया पर मुलायम सिंह यादव अपने वायदे पर खरे नहीं उतरे और राम दर्शन को धोखा ही मिला। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी टिकट न मिलने से राम दर्शन यादव काफी नाराज थे। और अंत में भाजपा में जाना ही बेहतर समझा। रामदर्शन यादव सपा के लगभग 18 वर्ष जिले में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष भी रहे। पूर्व विधायक राम दर्शन यादव ने कहासपा ने अपमानित करने का काम किया। 2017 के विधानसभा चुनाव से पूर्व राम दर्शन यादव शिवपाल सिंह यादव के साथ आ गए थे। और इस बार मुबारकपुर सीट से चुनाव लड़ने की दावेदारी भी कर रहे थे पर चाचा शिवपाल सिंह यादव को खुद भतीजे अखिलेश यादव ने समेट दिया।

शहीद सैनिकों की अंत्येष्टि प्रक्रियाओं को पूरा कराने के लिए अधिनियम बनाए सरकार : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले सैनिकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रियाओं को पूरा कराने के लिए एक अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार एक ऐसा अधिनियम बनाए, जिससे कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए सैनिकों के पार्थिव शरीर को प्राप्त करने, अंतिम संस्कार और किसी भी अन्य संबद्ध मामलों के लिए प्रोटोकॉल निर्धारित किया जा सके।

कोर्ट ने इसके लिए यूपी सरकार को छह महीने का समय दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि इस आदेश की कॉपी यूपी मुख्य सचिव को भेजी जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने गोरखपुर निवासी विवेक यादव उर्फ सूर्य प्रकाश यादव की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि राज्य का दायित्व और कर्तव्य है कि देशभक्त अनसुने न रह जाएं और देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैन्य नायकों को पूरा सम्मान दे। कोर्ट ने कहा कि एक राष्ट्र जो स्वतंत्रता की रक्षा और शांति बनाए रखने के लिए अपने शहीदों का सम्मान नहीं करता है, उसकी स्वतंत्रता और शांति खो जाएगी। भारत ने गुलामी की कीमत जानी है और भारतीयों ने स्वतंत्रता की कीमत चुकाने में कभी संकोच नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि शहीदों के कार्यों को हमेशा याद किया जाना चाहिए। राज्य का गंभीर दायित्व देश की रक्षा में बलिदान देने वाले सैन्य नायकों को पूर्ण सम्मान देना है। यह उसका कर्तव्य है कि उसके देशभक्त बिना रोये, असम्मानित न रह जाएं।

आजमगढ़ में भाजपा ही जीत रही : दयाशंकर

» सपा नेता रामगोपाल जैसा बड़ा कलाकार कोई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर 23 जून को उप चुनाव होना है। प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ के लिए प्रचार करने आजमगढ़ पहुंचे। उपचुनाव को लेकर उनका कहना है कि आजमगढ़ की जनता को विकास के साथ जुड़ने का मौका मिला है। जनता भाजपा प्रत्याशी को जिताने जा रही है।

भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव भले ही 2019 के लोकसभा चुनाव में हार गए थे लेकिन, पब्लिक के बीच वो सक्रिय रहे। अब इसका फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा राम गोपाल यादव जैसा कोई कलाकार नहीं है। वह सबसे महान कलाकार हैं। उनकी कला फिरोजाबाद में नहीं चल पाई, बदायूं में नहीं चल पाई अब आजमगढ़ आएं हैं यहां भी नहीं चल पाएगी। यहां से भाजपा का प्रत्याशी चुनाव जीतेगा। दरअसल, सपा नेता रामगोपाल यादव ने बयान जारी किया था कि भाजपा कलाकारों की पार्टी है। दयाशंकर ने कहा आजमगढ़ की जनता विकास के साथ है। बहुत दिनों से यहां की जनता के साथ छलावा हो रहा है। दिनेश लाल यादव लोकप्रिय प्रत्याशी हैं। जनता से लगाव बना हुआ है। दो प्रत्याशी और लड़ रहे हैं, दोनों पराजित प्रत्याशी हैं। मंत्री बोले, जब आजमगढ़ के लोग कोरोना से तबाह हो रहे थे। तब कहां था समाजवादी परिवार? जनता की सुधि लेने नहीं आए। पूरे प्रदेश में जनता की मदद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने की। जब टिकट लेना होता है, तो कार्यकर्ता में क्षमता नहीं देखते हैं ये लोग। फिर ढूंढा जाता है कि सैफई परिवार में कौन हैं, बदायूं की विरासत धर्मेंद्र यादव को दी गई, वहां की गद्दी छिन गई तो आजमगढ़ की गद्दी पर काबिज होना चाहते हैं, पर जिले की जनता इनके मंसूबों को सफल नहीं होने देगी। इस चुनाव को हम लोग जीत रहे हैं, नौजवानों में गजब का उत्साह है। नौजवानों से कहना चाहता हूं कि किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं। योगी और मोदी को देखें कि अपने लिए नहीं समाज के लिए जीते हैं, और लोग अपने परिवार के साथ जीते हैं। नौजवानों के साथ वह कोई ऐसा काम नहीं करेगें। जिससे युवाओं का भला न हो।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

15 दिन में ईको पर्यटन विकास बोर्ड के गठन का प्रस्ताव

» पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह बोले, मुख्यमंत्री होंगे अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र में ईको पर्यटन बोर्ड के गठन का प्रस्ताव 15 दिनों के अंदर तैयार करने के निर्देश संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों को दिए। ईको-पर्यटन विकास बोर्ड के गठन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में स्थित ईको-सिस्टम के तहत आने वाले स्थलों का संरक्षण, संवर्धन एवं इसका विकास कर पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ ही रोजगार का सृजन एवं राजस्व में बढ़ोत्तरी करना है। विभाग आपस में समन्वय कर ईको टूरिज्म को बेहतर ढंग से बढ़ावा दे सकता है।

राजधानी में पर्यटन भवन में इसे लेकर आयोजित बैठक में पर्यावरण, वन एवं जयवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अरूण कुमार सक्सेना और आयुष राज्यमंत्री दया शंकर मिश्र दयालु भी मौजूद रहे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ईको पर्यटन विकास बोर्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गठित होगा। इसमें पर्यटन, वन और आयुष मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मध्य प्रदेश व कर्नाटक में ईको पर्यटन विकास बोर्ड के गठन से पहले और उसके बाद की स्थिति का अध्ययन करें।

रामपुर लोक सभा उपचुनाव: आजम के गढ़ रामपुर में भाजपा ने झोंकी ताकत, उतारे चार मंत्री

» घर-घर जाकर संवाद कर रहे मंत्री, तेज किया जनसंपर्क अभियान

» 23 जून हो होगा मतदान जातीय समीकरण साधने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटी भाजपा ने अब लोक सभा उपचुनाव के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। आजम खां के गढ़ रामपुर में उसने अपने चार मंत्रियों को उतार दिया है। ये मंत्री न केवल वहां जनता से संवाद स्थापित कर रहे हैं बल्कि भाजपा के पक्ष में हवा भी बना रहे हैं। हालांकि यह तो चुनाव परिणाम बताएंगे कि इन मंत्रियों की मेहनत कितनी सफल हुई है।

रामपुर में लोक सभा उपचुनाव के लिए 23 जून को मतदान होगा। मतदान को काफी कम दिन शेष बचे हैं। ऐसे में मतदाताओं को रिझाने के लिए सपा और भाजपा ने पूरी ताकत लगा दी है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां लगातार जनसभाएं कर रहे हैं जबकि भाजपा ने भी प्रदेश सरकार के मंत्रियों को रामपुर में लगा दिया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र सिंह, व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल रामपुर पहुंच गए है। पांच मीटिंग लीं। उनके साथ वैश्य समाज पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहित बेनीवाल भी जनसंपर्क में जुटे रहे। इससे रामपुर का चुनावी माहौल गर्मा गया है। भाजपा ने मंत्रियों की टीम उतार दी है, जो घर-घर जाकर मीटिंग कर रहे हैं। मंत्री जिस जाति के हैं, वे उसी जाति के लोगों पर फोकस कर रहे हैं। उनके घर जाकर मीटिंग कर रहे हैं। कौशल विकास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने वैश्य समाज के लगों के यहां के नेता भारत भूषण गुप्ता भी मौजूद रहे। धर्मपाल सिंह लोधी गांव में लोधी समाज के लोगों के यहां जनसंपर्क कर रहे हैं। यहां भाजपा के प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी मैदान में है जबकि सपा से आसिम रजा ताल ठोक रहे हैं।

सपा भी बना रही माहौल

सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां और उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला आजम पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुटे हैं। आजम खां खुद जनसभाएं कर रहे हैं। रामपुर शहर में दो बड़ी सभाएं करने के बाद बिलासपुर में भी जनसभा की जबकि पार्टी के कार्यालय और अपने आवास पर लगातार प्रमुख कार्यकर्ताओं की मीटिंग ले रहे हैं। अब्दुल्ला आजम ने स्वार क्षेत्र में रोड शो किया। इस तरह दोनों ही पार्टियां पूरे दमखम से चुनाव में डटी है।

क्या है रामपुर का जातीय गणित

रामपुर लोक सभा सीट के तहत पांच विधान सभा सीटें आती हैं। इसमें रामपुर, स्वार और चमरौआ सीट मुस्लिम बहुल सीटे हैं। तीनों सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 50 फीसदी से ज्यादा है। रामपुर सीट पर 63 फीसदी, स्वार सीट पर 55 फीसदी और चमरौआ सीट पर 53 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। बिलासपुर सीट पर भी 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं।

विधान सभा में सपा के खाते में आई थीं तीन सीटें

रामपुर लोक सभा सीट के अंतर्गत पांच विधान सभा सीटें आती हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव में इन पांच में से तीन सीटें सपा को तो दो सीटें भाजपा को मिली थीं। रामपुर विधान सभा सीट से आजम खान, स्वार से उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और चमरौआ विधान सभा सीट से नसीर अहमद खान सपा के टिकट पर जीते थे। वहीं, बिलासपुर सीट से बलदेव औलख और मिलख सीट से राजबाला सिंह भाजपा के टिकट पर जीतीं थीं। पांचों विधान सभा सीटों पर भाजपा को कुल 4 लाख सात हजार से ज्यादा वोट मिले। वहीं, सपा को 5 लाख 52 हजार से ज्यादा वोट मिले यानी, सपा को भाजपा के मुकाबले करीब एक लाख 44 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि, लोक सभा के मुकाबले दोनों के कुल वोट में कमी आई थी। सपा को जहां लोक सभा के मुकाबले करीब सात हजार वोट कम मिले वहीं, भाजपा को करीब 41 हजार वोटों का नुकसान हुआ। 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा के आजम खां ने भाजपा की जया प्रदा को एक लाख नौ हजार से अधिक मतों से हराया था। आजम को पांच लाख 59 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। वहीं, जया प्रदा चार लाख 49 हजार से ज्यादा वोट पाने में सफल रहीं थी। कांग्रेस के संजय कपूर को महज 35 हजार वोट से संतोष करना पड़ा था।

विधान सभा के बाद अब विधान परिषद में लागू होगा ई-विधान!

मुख्यमंत्री बोले, विधान परिषद में भी जल्द लागू करें ई-विधान

» ई-अधियाचन से नियुक्तियों और लैंड रिकॉर्ड को रजिस्ट्री विभाग से जोड़ने की भी होगी व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में ई-विधान लागू है और अब विधान परिषद में भी ई-विधान लागू होगा। ऐसे संकेत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं। उन्होंने समीक्षा बैठक में दो टूक कहा कि अब विधान परिषद में भी ई-विधान लागू किया जाए। इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करें। इसके अलावा व्यवस्था में पारदर्शिता के लिए ई-अधियाचन से नियुक्तियों और लैंड रिकॉर्ड को रजिस्ट्री विभाग से जोड़ने की व्यवस्था भी करें। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की गतिविधियों के संबंध में बैठक हुई।

प्रस्तुतीकरण देखने के बाद सीएम योगी ने कहा कि आम जन को शासन की सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने में एनआईसी का सराहनीय योगदान रहा है। जनसुनवाई पोर्टल आईजीआरएस, मुख्यमंत्री राहत कोष पोर्टल, एंटी भू-माफिया, एंटी माफिया पोर्टल, मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली जैसे तकनीकी प्रयासों ने शासन तक आम जन की सीधी पहुंच सुलभ कराई है। ई-कैबिनेट, ई-आफिस, प्रोटोकाल पोर्टल जैसी सेवाओं से शासन की कार्यप्रणाली सरल हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक देश-एक एप्लिकेशन की अवधारणा के अनुसार 18वीं विधान सभा में ई-विधान लागू किया गया। इस काम में एनआईसी की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। विधान सभा सदस्यों को नेवा सेवा केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। विधान सभा के बाद अब विधान परिषद को भी ऐसी आधुनिक तकनीक से लैस किया जाना आवश्यक है। इस काम को यथाशीघ्र पूरा करा लिया जाए। साथ ही विभागों द्वारा विभिन्न चयन आयोगों को रिक्तियों के संबंध में भेजे जाने वाले अधियाचन को ऑनलाइन सेवा से जोड़ा जाए।

ई-अधियाचन से नियुक्तियों की प्रक्रिया और सरल होगी

ई-अधियाचन से नियुक्तियों की प्रक्रिया और सरल होगी। सचिवालय में फाइलों के लिए ई-आफिस की व्यवस्था है। इसे सभी विभागाध्यक्ष और निदेशक कार्यालयों में भी लागू किया जाए। फिजिकल फाइलों का उपयोग अपरिहार्य स्थिति में ही किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरासत उत्तराधिकार, स्टाम्प पंजीयन के मामलों में तकनीक की मदद से आमजन को और सहूलियत दी जा सकती है। भूमि रिकॉर्ड को अपडेट करने में लगने वाला समय और कम करने की जरूरत है। निर्देश दिया कि लैंड रिकार्ड को रजिस्ट्री विभाग से जोड़े। रजिस्ट्री विभाग का काम केवल राजस्व एकत्रित करना भर नहीं होना चाहिए। जमीन की रजिस्ट्री से पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि बेचने वाला व्यक्ति ही वास्तव में भूमि का मालिक है या नहीं। ऐसे मामलों में कई बार धोखाधड़ी की बात सामने आती है। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति को ऑनलाइन करने के अच्छे परिणाम मिले हैं। हालांकि कई बार छात्रों को आवेदन में समस्या होती है। इसमें सुधार के लिए जरूरी प्रयास करने होंगे। योगी ने यह भी निर्देश दिया कि एनआईसी अधिकारियों को तकनीकी कार्यों के अलावा अन्य दायित्वों से मुक्त रखा जाए। उन्हें मात्र ई-गवर्नेंस के काम ही सौंपे जाएं।

ई-विधान लागू करने वाला यूपी दूसरा राज्य

उत्तर प्रदेश की विधान सभा देश की दूसरी ई-विधान सभा बन गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ई -विधान एप्लीकेशन केंद्र का लोकार्पण इसी सत्र में ही किया है। इसके बाद से अब सदन की कार्यवाही पूरी तरह पेपरलेस हो गई है। इसके लिए सदन की सभी सीटों पर टैबलेट भी लगाए गए हैं। सदन में अब विधायक कागज-पेन नहीं बल्कि टैबलेट से सवाल-जवाब कर अपने क्षेत्र के मुद्दों को उठाते हैं। टैबलेट में सभी जगह का पूरा ब्योरा दर्ज होगा। अब सदन पूरी तरह ऑनलाइन है।

क्या है नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन

नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) भारत सरकार के द्वारा सभी विधान मंडलों के पेपरलेस कामकाज के लिए तैयार किया गया एक एप्लीकेशन है। यह प्रोजेक्ट सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा है। इस एप्लीकेशन के जरिए संसद के दोनों सदनों सहित 40 विधान मंडलों के कामकाज का ब्यौरा ऑफलाइन की बजाय ऑनलाइन रखा जाएगा। संसदीय कार्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन के साथ-साथ इसकी वेबसाइट भी विकसित की है। नेवा का उद्देश्य संसद सदस्यों और विधान सभा के सदस्यों की सहायता करना है। नेवा पर अंग्रेजी और हिंदी को मिलाकर कुल 13 भाषाओं में जानकारी प्रदान करने का विकल्प है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ग्लोबल वार्मिंग पर संयुक्त राष्ट्र की चिंता

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग पर न केवल चिंता बल्कि इसे लेकर दुनिया भर के देशों के रवैए पर निराशा भी जताई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग पर लगाम नहीं लगायी गयी तो तापमान इतना बढ़ जाएगा कि धरती रहने लायक नहीं रहेगी। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी को दुनिया के विकसित और विकासशील देश गंभीरता से लेंगे? क्या ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने वाले कारकों पर नियंत्रण लगाया जा सकेगा? क्या पृथ्वी को संकट से बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर कोई ठोस प्रयास किया जाएगा? क्या संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी को नजरअंदाज करना दुनिया पर भारी नहीं पड़ेगी? आखिर आसन्न संकट के बावजूद दुनिया के देश निश्चिंत क्यों हैं? क्या जीवाश्म ईंधन के बढ़ते प्रयोग और विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे युद्ध और गृहयुद्ध ने हालात को बदतर कर दिया है? क्या विकास के नाम पर पृथ्वी को बर्बाद किया जा सकता है?

धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। मीथेन और कार्बन डाई आक्साइड गैसों का उत्सर्जन बढ़ रहा है। मीथेन तापमान वृद्धि में अहम भूमिका निभाती है। यह जीवाश्म ईंधन के प्रयोग, कचरा और मवेशियों से उत्सर्जित होती है। विकास के नाम पर जीवाश्म ईंधन यानी तेल और कोयले का जमकर प्रयोग हो रहा है। कोयले पर आधारित ताप विद्युत गृहों की संख्या में कमी नहीं की गई है। वहीं विकसित देश इसके लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहरा कर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं जबकि विकासशील देशों का कहना है कि विकसित देश अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर डाल रहे हैं। विकसित देश ही सबसे अधिक जीवाश्म ईंधन का प्रयोग करते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इसका प्रयोग और बढ़ गया है। अधिकांश देशों में हरित ऊर्जा का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि जलवायु संकट की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए उत्सर्जनों में 2030 तक 45 फीसदी की कमी करने की हिदायत दी है लेकिन विश्व के तमाम देश ऐसा कर पाएंगे, ऐसा नहीं दिख रहा है। इसकी पुष्टि इस बात से भी होती है कि वर्ष 2021 में कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन में छह फीसद बढ़ोतरी दर्ज हुई है जबकि उसमें गिरावट आनी चाहिए थी। जाहिर है विकसित और विकासशील देशों को मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना होगा। जीवाश्म ईंधन का प्रयोग कम करने के साथ अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता बढ़ानी होगी और इसके लिए जरूरी तकनीक विकसित करनी होगी। ऊर्जा सब्सिडी जीवाश्म ईंधनों से हटाकर अक्षय ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग पर न केवल चिंता बल्कि इसे लेकर दुनिया भर के देशों के रवैए पर निराशा भी जताई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग पर लगाम नहीं लगायी गयी तो तापमान इतना बढ़ जाएगा कि धरती रहने लायक नहीं रहेगी। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी को दुनिया के विकसित और विकासशील देश गंभीरता से लेंगे?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बदली भारतीय अफगान नीति के निहितार्थ

एम.के. भद्रकुमार

दो जून को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक जेपी सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल का काबुल पहुंचना इस बात का द्योतक है कि भारत सरकार तालिबान नीत अंतरिम सरकार के साथ राजनयिक रिश्ते बनाने की इच्छुक है। भारत ने तालिबान सरकार के साथ व्यापारिक संबंध कायम करने का संकेत दिया है। ऐसा करके भारत मुख्य क्षेत्रीय राष्ट्रों के पदचिन्हों पर चल रहा है। देखना यह है कि इस राह के खुलने को रूस किस तरह लेगा। मार्च में जब तालिबान द्वारा रूस के लिए नियुक्त किए गए कार्यकारी राजनयिक अधिकारी जमाल नासिर गरवाल मास्को पहुंचे और इस आमद पर रूसी सरकार की सहमति की पुष्टि प्रवक्ता मारिया झाकारोवा ने की, तब इसे पूर्ण-रूपेण द्विपक्षीय रिश्ते कायम करने में एक कदम आगे बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि फिलहाल तालिबान सरकार को विधिवत मान्यता देने की बात करना जल्दबाजी होगी। 29 अप्रैल को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सूचित किया कि अफगानी कार्यकारी राजनयिक अधिकारी ने मास्को में अपना काम करना शुरू कर दिया है।

रूसी समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक गरवाल सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित हो रहे अतंरराष्ट्रीय आर्थिक समूह (15-18 जून) में भाग लेंगे, 'रूस का दावोस' कहे जाने वाले इस गुट की मेजबानी आमतौर पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन करते रहे हैं। इसमें चर्चा का ध्यान व्यापार, वैश्विक और रूसी अर्थव्यवस्था, सामाजिक विषय और तकनीकी विकास पर केंद्रित रहेगा। रूस ने तालिबानी अधिकारियों को अमेरिकी ढंग के अपवादपूर्ण चश्मे से देखने की बजाय उन अपनों की तरह लिया, जो नाराज होकर विरक्त हुए किंतु फिर लौट आए। रूसी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट में 'अफगानिस्तान की वर्तमान स्थिति' शीर्षक से विज्ञप्ति छपी, जिसमें कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र में तालिबान मुहिम को बतौर एक संगठन आतंकवादी की तरह नहीं लिया जाता और प्रतिबंध कुछेक व्यक्तियों पर ही लागू होते हैं। देखा गया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तालिबान पर प्रतिबंध लगाने के लिए रखी गई बैठक से पहले जर्मन विदेश मंत्री एन्नालिना बेयरबॉक पाकिस्तान की अप्रत्याशित यात्रा पर पहुंचीं। बेयरबॉक ने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार आने के बाद से नागरिकों और मुल्क की मुसीबतों और भूख की स्थिति में अविश्वसनीय बढ़ोतरी हुई है और देश गलत दिशा में जा रहा है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी पर भी होकर रहेगा। बेयरबॉक

की इस कवायद का उद्देश्य दरअसल तालिबान के खिलाफ समन्वित और जबरदस्त प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव में पाकिस्तान की प्रतिक्रिया की टोह लेना था, जो इस अनुमान पर आधारित है कि रावलपिंडी स्थित पाक-सेना मुख्यालय तालिबान के विरुद्ध कुछ ऐसा दंडात्मक औजार तलाश कर रहा है, जो इससे पहले कभी बरता गया हो। 'अमेरिकी शांति संस्थान' ने पिछले दिनों इस बात को लेकर माथापच्ची की है कि अमेरिकी नीतियों की महत्वपूर्ण तरजीहों की खातिर पाकिस्तान और अमेरिका संयुक्त रूप से जोर डालकर तालिबान को राह पर ला सकते हैं और इस बाबत यदि पाकिस्तान सार्वजनिक रूप से यह संकेत दे डाले कि फिलहाल तालिबान की मान्यता पर विचार टल गया है, तो इससे मदद मिल सकती है। हो सके तो पाकिस्तान तालिबान सरकार से बरतने में राजनयिक रुतबा घटाकर इसको अमेरिकी सरकार के आतंकरोधी विषय सूची के अनुरूप बना दे। यही वह बिंदु है जिस पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने हाल में दुशाम्बे में हुई 'क्षेत्रीय वार्ता समूह' में भारतीय विचार को अधिमान देते हुए संबोधन दिया था। उन्होंने वास्तविक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, भारतीय नीतियों की रूपरेखा पुन: निर्धारित करते वक्त अफगानिस्तान की आतंकरोधी एवं आतंकी गुटों से निपटने की क्षमता का आकलन ध्यान में रखने की बात कही है, वहीं ठीक इसी वक्त यह आस भी कायम रखी है कि क्षेत्रीय वार्ता समूह के सदस्यों के संयुक्त प्रयासों से अफगानिस्तान को एक समृद्ध और जीवंत राष्ट्र में बदला जा सकता है।

अफगानिस्तान को फिर से अस्थिर नहीं होने देना चाहिए और ध्यान मुख्यत: मानवीय और अन्य मदद देने के इंतजामों पर केंद्रित रखा जाए। डोभाल ने राष्ट्र निर्माण में अफगान समाज के तमाम वर्गों का प्रतिनिधित्व बनाने पर जोर दिया है ताकि जनसंख्या का ज्यादा से ज्यादा हिस्सा अपना योगदान देने को प्रेरित हो सके। फिर भी, डोभाल ने इस काम में किसी पूर्व निर्धारित इबारत बनाने से इंकार किया और इस तरह अफगान संस्कृति की सच्चाई और माफ कर देने के जन्मजात गुणों में भारत का भरोसा जताया है। तालिबान का चित्रण केवल एक चरमपंथी की तरह करना हकीकत से परे है। उनकी मुहिम को स्थानीय लोगों में कहीं ज्यादा लोकप्रियता मिली है।

जुए की लत लगाते ऑनलाइन गेम्स

अश्विनी महाजन

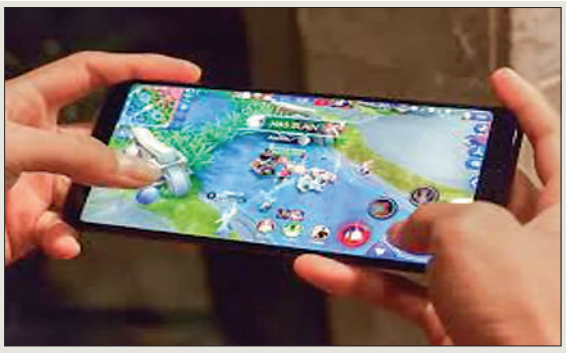

पिछले कुछ समय से आपने कुछ ऐसे एप्स के विज्ञापन देखे होंगे, जिसमें प्रसिद्ध खिलाड़ी ऑनलाइन गेम्स के विज्ञापन करते दिखाई देते हैं। साथ ही, उसी विज्ञापन में तेज गति से चेतावनी भी दी जाती है कि इन्हें संभलकर खेलें, इनकी लत लग सकती है। वास्तव में आज हमारे युवा इन हस्तियों द्वारा सुझाये ऑनलाइन गेम्स में डूबते जा रहे हैं। बीते कुछ समय से देश में इंटरनेट और मोबाइल के विस्तार के कारण इस 'मनी गेमिंग' उद्योग का खासा विस्तार हुआ है। माना जा रहा है कि 2025 तक इस उद्योग का व्यवसाय पांच अरब डालर से अधिक हो जायेगा। विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन और एप्स आधारित गेम्स, जिनमें आभासी खेल यानी फैंटेसी स्पोर्ट, रम्मी, लूडो, शेयर ट्रेडिंग संबंधित गेम्स, क्रिप्टो-आधारित गेम्स आदि होते हैं, जो रियल मनी गेम्स कहलाते हैं, पैसे और इनाम के लिए खेले जाते हैं। ये खेल कौशल (स्किल) आधारित भी होते हैं और संयोग (चांस) आधारित भी।

जब से इन गेम्स का प्रादुर्भाव हुआ है, युवाओं द्वारा कर्ज में फंस कर जान गंवाने के कई मामले सामने आये हैं। इन गेम्स में जीतने की संभावना बहुत कम होती है, कुछ मामलों में तो इन एप्स के कारण जुए की लत के चलते युवाओं द्वारा भारी कर्ज उठाने के कारण परिवार भी बर्बाद हुए हैं। वर्ष 2020 में ड्रीम-11 नामक एप कंपनी ने 222 करोड़ देकर आईपीएल क्रिकेट के प्रायोजक के अधिकार खरीद लिये थे। इसके बाद ड्रीम-11 एप प्रसिद्धि हो गया। अन्य काल्पनिक क्रिकेट गेम की अन्य एप्स ने भी आईपीएल में विज्ञापन अधिकार खरीदे। ये सभी एप्स बड़ी-बड़ी क्रिकेट हस्तियों द्वारा प्रोत्साहित की जा रही हैं, जिनमें एमएस धौनी, रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या सहित कई खिलाड़ी शामिल हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि इन एप्स के माध्यम से जुए की लत के कारण आत्महत्या करने वाले अधिकतर युवा 19 से 25 वर्ष के हैं, जिनमें विद्यार्थी, प्रवासी मजदूर और व्यापारी शामिल हैं। विभिन्न न्यायालयों ने भी इन काल्पनिक खेलों को यह कह कर सही ठहराया है कि यह जुआ नहीं बल्कि कौशल का खेल है। तो भी विषय की गंभीरता को समझते हुए छह राज्य सरकारों ने अभी तक काल्पनिक क्रिकेट प्लेटफार्मों को प्रतिबंधित किया है या अनुमति नहीं दी है। इस कड़ी में अंतिम राज्य आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तो इस प्रकार की 132 एप्स को प्रतिबंधित करने के लिए निवेदन किया है। कुछ अध्ययन यह मानते हैं कि इस काल्पनिक क्रिकेट खेल में जीतने के लिए कुछ भी संयोग नहीं है, इसलिए यह जुआ नहीं है लेकिन कुछ खेल मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि काल्पनिक क्रिकेट जुआ ही है और इसके कारण जुए के व्यवहार का रोग लग सकता है। इस 'उद्योग' से जुड़े लोगों का तर्क यह है कि लत पड़ने का कोई कारण भी नहीं है और इसमें टिकट का औसत मूल्य 35 रुपये ही है इसलिए इससे एक व्यक्ति अपने जीवन काल में 10 हजार से ज्यादा नुकसान नहीं कर पायेगा लेकिन इन 'खेलों' में हार कर लाखों रुपये के कर्जे के कारण आत्महत्या करने वालों के बारे में जानकारी से यह बात असत्य सिद्ध हो जाती है इसलिए इस विषय में इन आभासी खेल कंपनियों के दावों की अधिक जांच की जरूरत है। अभी यह 'उद्योग' किन्हीं नियामक कानूनों के तहत न होकर 'स्व-नियामक' यानी सेल्फ रेगुलेटेड ही है। इसलिए इस उद्योग से जानकारी लेने की बजाय इन एप्स के बारे में सघन जांच से ही सत्यता पता चल सकती है पर यह भी सच है कि लोग इन आभासी खेलों के कारण बहुत पैसा खो रहे हैं। नव उदारवादी आर्थिक सिद्धांतों में जोखिम लेना महत्वपूर्ण कहा जाता है। नव उदारवादी नीतियों के युग में कई वित्तीय उपकरण का प्रवेश हो चुका है और सट्टेबाजी अर्थव्यवस्थाओं का अभिन्न अंग बन चुका है। हालांकि शेयर बाजार, वस्तु बाजार और विदेशी विनिमय बाजारों में सट्टेबाजी के कई दुष्परिणाम भी हैं लेकिन उन्हें वैधानिक अनुमति मिली हुई है। इन खेलों की एप्स कंपनियां लगातार जीत रही हैं और भारी लाभ कमा रही हैं। समझना होगा कि उनका लाभ उन गरीब विद्यार्थियों, मजदूरों, किसानों और आम आदमी की कीमत पर है जो इन खेलों में अपना सब कुछ लुटा देते हैं। न्यायालयों को अभी यह तय करना बाकी है कि क्या वास्तविक पैसे का दांव लगाने वाले कथित कौशल आधारित गेम्स जुआ हैं। कई एप्स में कौशल आधारित खेलों की आड़ में विशुद्ध जुआ चल रहा है। इन एप्स ने बड़ी मात्रा में विदेशी निवेशकों से निवेश लिया हुआ है और उनका एकमात्र उद्देश्य लोगों को जुए की लत लगाना है। यही नहीं, कई कथित कौशल आधारित गेम्स के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ कर ग्राहकों को बेवकूफ बना कर उन्हें लूटा भी जा रहा है। न्यायालयों और प्रशासनिक निकायों के पास इस बारे में जानकारी है, जो ग्राहकों के पास नहीं है। भारतीय विधि आयोग की 276वीं रपट ही नहीं सुप्रीम कोर्ट तक ने यह टिप्पणी दी है कि इन कौशल आधारित गेम्स के नतीजों को मशीनी छेड़छाड़ से प्रभावित किया जा सकता है। ऐसे में भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय हाथ पर हाथ रख कर नहीं बैठ सकते। युवाओं को जुए में धकेलते एप्स को प्रतिबंधित करने की जरूरत है। जब तक यह प्रक्रिया पूर्ण हो, इनके विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत होगी। इस मामले में वित्त, उपभोक्ता मामलों, इलेक्ट्रॉनिक, टेलीकॉम एवं आईटी तथा गृह मंत्रालय को सम्मिलित रूप से निर्णय लेना होगा और आम जन को जुए की लत लगाने वाले इन एप्स से मुक्ति दिलानी होगी।

बारिश के मौसम में ट्राई करें पांच अलग फ्लेवर की चाय

बारिश के मौसम में बार-बार चाय पीने का मन करता है। कभी अदरक तो कभी इलायची वाली चाय। हालांकि कई बार एक ही जैसे फ्लेवर से आप बोर भी हो जाते हैं। आपकी इस बोरियत को दूर करने के लिए हम लेकर आए हैं अलग-अलग फ्लेवर की चाय का स्वाद। हर एक प्याले का स्वाद पिछले वाले से अलग आएगा तो आप बारिश का अधिक आनंद उठाएंगे। आइए जानते हैं चाय के इन पांच अलग स्वाद के बारे में।

मसाला चाय

मसाला चाय का नाम आपने बहुत सुना होगा, लेकिन यह हर घर में नहीं बनती है, इसलिए ज्यादातर लोग इसके जायके से अनजान होते हैं। मसाला चाय के साथ आप बारिश के मौसम का मजा दोगुना कर सकते हैं। इसके लिए चाय के पानी में चीनी के साथ सौंफ, इलायची, लौंग, दालचीनी, अदरक, काली मिर्च को कूटकर डालें और इसे अच्छी तरह से पकाकर चाय का आनंद लें।

तुलसी चाय

चाय का स्वाद आप तुलसी के फ्लेवर के साथ ले सकते हैं। इसके लिए आप नार्मल दूध वाली चाय बनाने के बाद इसमें तुलसी की कुछ पत्तियों को कूटकर डाल दें। तुलसी के पत्ते डालने के बाद कुछ देर तक चाय खौला लें। इससे चाय का स्वाद तो बदलेगा ही, तुलसी वाली चाय आपको मौसमी समस्याओं से भी बचाने में कारगर साबित होंगी।

हल्दी चाय

हल्दी वाले दूध का सेवन तो आप करते रहते होंगे, लेकिन इस मौसम में आप हल्दी वाली चाय का स्वाद भी ले सकते हैं। इसके लिए आप नार्मल चाय बनाने के आखिर में एक चुटकी हल्दी डाल दें। हल्दी डालने के बाद चाय को एक से दो मिनट के लिए तज आंच पर पकाएं। अगर आप इसमें चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करेंगे, तो चाय का स्वाद और सेहत के लिए यह चाय और भी बेहतर हो जाएगी।

सुलेमानी चाय

बारिश के मौसम में चाय के स्वाद को बढ़ाने के लिए आप सुलेमानी चाय का आनंद ले सकते हैं। इस चाय को आप दालचीनी, पुदीना, लौंग, इलायची, चीनी और चाय पत्ती की मदद से तैयार कर सकते हैं। चाय के पानी में इन सारी सामग्रियों को डालकर अच्छी तरह से खौला लें और गर्मागर्म चाय का आनंद लें।

गुड़ वाली चाय

चीनी तो आप हर बार चाय में इस्तेमाल करते हैं। बारिश के मौसम में चाय का स्वाद बदलने के लिए आप चाय में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करें। आपको बस इतना करना है कि बिना चीनी की नार्मल चाय तैयार करनी है और फिर इसके बाद आखिर में गुड़ का इस्तेमाल चाय में करना है। चाय पका लेने के बाद गैस बंद कर लें और उसके बाद ही गुड़ डालें। अगर आप गुड़ पहले डाल देंगे तो चाय फट सकती है।

हंसना मना है

औरतों का दिल सही मायनों में कब टूटता है? जब वो अपने जैसे प्रिंट का सूट मोहल्ले की काम वाली को पहने देखती हैं।

खाना खाने के बाद लड़कियां टिश्यू पेपर से इतने प्यार से मुंह पोंछती हैं कि कहीं होंठ उखड़ के टिश्यू पेपर के साथ ना आ जाएं। और लड़के ऐसे साफ करते कि जैसे दीवार पर रेगमाल रगड़ना हो।

पत्नी ने एक दिन अपने पति का मोबाइल चेक किया तो उसमें कुछ इस तरह नाम सेव थे... आंखों का इलाज दिल का इलाज पत्नी ने गुस्से में अपना नंबर डायल किया, तो आया ला-इलाज।

English के अलावा हिंदी में भी कुछ शब्द Silent होते हैं। जैसे की अगर ध्यान दिया हो तो, जब कोई दुकानदार भाव करते समय कहता है कि आपको ज्यादा नहीं लगाएंगे तो इसमें... चूना शब्द Silent होता है।

एक परिवार लड़की देखने पहुंचा। उनके सामने लड़की के गुणों की प्रशंसा की जा रही थी। लड़की वालों ने कहा, सीमा की आवाज कोयल जैसी है, उसकी गर्दन तो मोरनी के जैसी है, चाल हिरणी जैसी और स्वभाव से तो गाय है. हरीश ने कहा, जी, क्या इसमें कोई इंसानी गुण भी हैं?

कहानी — रंग-बिरंगे नाखून

राजा कृष्णदेव राय पशु-पक्षियों से बहुत प्यार करते थे। एक दिन एक बहेलिया राजदरबार में आया। उसके पास पिंजरे में एक सुंदर व रंगीन विचित्र किस्म का पक्षी था। वह राजा से बोला, महाराज, इस सुंदर व विचित्र पक्षी को मैंने कल जंगल से पकड़ा है। यह बहुत मीठा गाता है तथा तोते के समान बोल भी सकता है। यह मोर के समान रंग-बिरंगा ही नहीं है बल्कि उसके समान नाच कर भी दिखा सकता है। मैं यहां यह पक्षी आपको बेचने के लिए आया हूं। राजा ने पक्षी को देखा और बोले, हां, देखने में यह पक्षी बहुत रंग-बिरंगा और विचित्र है। तुम्हें इसके लिए उपयुक्त मूल्य दिया जाएगा। राजा ने बहेलिए को 50 स्वर्ण मुद्राएं दीं और उस पक्षी को अपने महल के बगीचे में रखवाने का आदेश दिया। तभी तेनालीराम अपने स्थान से उठा और बोला, महाराज, मुझे नहीं लगता कि यह पक्षी बरसात में मोर के समान नृत्य कर सकता है बल्कि मुझे तो लगता है कि यह पक्षी कई वर्षों से नहाया भी नहीं हैं। तेनालीराम की बात सुनकर बहेलिया डर गया और दुखी स्वर में राजा से बोला, महाराज, मैं एक निर्धन बहेलिया हूं। पक्षियों को पकड़ना और बेचना ही मेरी आजीविका है। अतः मैं समझता हूं कि पक्षियों के बारे में मेरी जानकारी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाना अनुचित है। यदि मैं निर्धन हूं तो क्या तेनालीजी को मुझे झूठा कहने का अधिकार मिल गया है। बहेलिए की यह बात सुन महाराज भी तेनालीराम से अप्रसन्न होते हुए बोले, तेनालीराम, तुम्हें ऐसा कहना शोभा नहीं देता। क्या तुम अपनी बात सिद्ध कर सकते हो? मैं अपनी बात सिद्ध करना चाहता हूं, महाराज। यह कहते हुए तेनालीराम ने एक गिलास पानी पक्षी के पिंजरे में गिरा दिया। पक्षी गीला हो गया और सभी दरबारी पक्षी को आश्चर्य से देखने लगे। पक्षी पर गिरा पानी रंगीन हो गया और उसका रंग हल्का भूरा हो गया। राजा तेनालीराम को आश्चर्य से देखने लगे। तेनालीराम बोला, महाराज यह कोई विचित्र पक्षी नहीं है बल्कि जंगली कबूतर है। परंतु तेनालीराम तुम्हें कैसे पता लगा कि यह पक्षी रंगा गया है? महाराज, बहेलिए के रंगीन नाखूनों से। पक्षी पर लगे रंग तथा उसके नाखूनों का रंग एक समान है। अपनी पोल खुलते देख बहेलिया भागने का प्रयास करने लगा, परंतु सैनिकों ने उसे पकड़ लिया। राजा ने उसे धोखा देने के अपराध में जेल में डाल दिया और उसे दिया गया पुरस्कार अर्थात 50 स्वर्ण मुद्राएं तेनालीराम को दे दिया गया।

10 अंतर खोजें

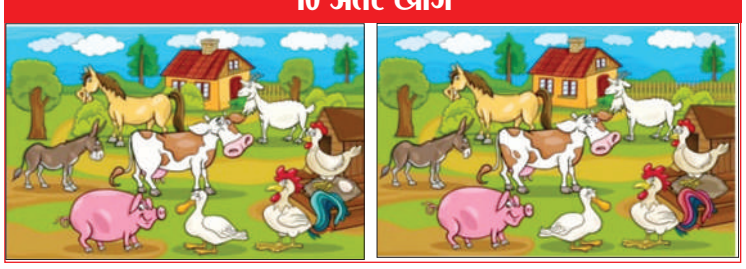

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं होगा। चिकित्सक की सलाह या दवाई लेने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। पर्याप्त आराम करें। हंसी-मजाक में कही गयी बातों को लेकर किसी पर शक करने से बचें।

वृषभ

दोस्तों के सहयोग से जरूरी काम पूरे होंगे। काम में आपके सामने कई चुनौतियां आएगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता जरूर मिलेगी। आज आप अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए नई योजनाएं बनाएंगे।

मिथुन

दोस्त आज मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं होगा। चिकित्सक की सलाह या दवाई लेने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। हंसी-मजाक में कही गयी बातों को दिल पर मत न ले।

कर्क

दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आप किसी समारोह में जा सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी और बच्चों से बहुत सारा प्यार मिलेगा। इस राशि वाले लोगों का उधार दिया हुआ पैसा वापस मिल जाएगा।

सिंह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिद्दी बर्ताव से बचें और वह भी खास तौर पर दोस्तों के साथ।

कन्या

दिन ठीक-ठाक रहेगा। परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। मुमकिन है कि महरी या काम वाली बाई परेशानी खड़ी कर सकती है। इसलिए किसी दूसरों पर विश्वास न करें।

तुला

अपने जीवनसाथी से कहा-सुनी करने से बचें। इस तरह तू-तू मैं-मैं करना बेकार के आरोपों और गैरजिम्मेदाराना वाद-विवाद की वजह बनता है, जो दोनों को ही भावनात्मक तौर पर चोट पहुंचा सकता है।

वृश्चिक

आज आपकी मुलाकात पुराने दोस्तों से होगी। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है, धनलाभ के योग बन रहे हैं। मौसम के बदलने से आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव आएगा।

धनु

सेहत अच्छी रहेगी लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की गलती न करें। अपनी जिंदगी और सेहत का सम्मान करें। वे निवेश-योजनाएं जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनसे दूर रहें।

मकर

आज का दिन अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए अच्छा है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के ठेकेदारों को आज धनलाभ होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कुम्भ

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी-छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा। इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच-समझ कर लगाए।

मीन

दिन मौज-मस्ती में बीतेगा, यात्रा का प्लान बन सकता है। व्यापारी वर्ग को आज अचानक से कोई बड़ा फायदा हो सकता है। पिता से आर्थिक सहयोग मिलेगा, आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

कार्तिक ने एनजीओ के बच्चों के लिए रखी भूलभुलैया 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग

कार्तिक आर्यन ने अपनी लेटेस्ट रिलीज भूल भुलैया 2 के साथ देश में एक जबरदस्त तूफान ला दिया है। ये फिल्म अपने चौथे हफ्ते में भी देश में बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इस फिल्म के बढ़ते कलेक्शन के साथ ही सोशल मीडिया पर कार्तिक आर्यन की फैन फॉलोइंग भी बढ़ती जा रही है और जिसमें अब यंग किड्स के भी वो चहिते बन गए हैं। कार्तिक अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान क्राई फाउंडेशन एनजीओ के अपने युवा प्रशंसकों से मिले और उन्होंने बच्चों को याद रखने के लिए फिल्म के बाद उनके साथ बातचीत की, गाना गाया, डांस किया और पूरे दिन में

कई बार उनके साथ पोज भी दिए। इससे पहले, कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर सड़क पर एक छोटी बच्ची के साथ चिट चैट करते हुए अपनी एक वीडियो साझा की थी, जिसमें कार्तिक की छोटी फैन उन्हें बता रही है कि फिल्म में कैसे उन्हें कार्तिक बहुत पसंद आए हैं। बता दें, इस विडियों में कार्तिक अपने पेट डॉग कटोरी आर्यन के साथ दिख रहें है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'और तू आता है, ऐसे पल, नरेशन हो तो ऐसी! पूरी कहानी बता दी लड़की ने फिल्म की भूल भुलैया 2 की #Repost।'भूल भुलैया 2 के बाद यंग सुपरस्टार ने साल की सबसे बड़ी ओपनिंग वीकेंड देने के बाद साफ तौर से अभिनेताओं की टॉप लीग में एंट्री कर ली है, और महामारी के बाद से एकमात्र हिंदी ब्लॉकबस्टर है जो अभी भी सिनेमाघरों में पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से चल रही है। वैसे कार्तिक अपने फैन्स के साथ गैटी गैलेक्सी में फिल्म की बिगेस्ट ओपनिंग का जश्न पहले ही मना चुके हैं। बता दें, कार्तिक के पास शहजादा, कैप्टन इंडिया, फ्रेडी और साजिद नाडियाडवाला की अनटाइटल्ड नेक्स्ट जैसी कुछ और दिलचस्प फिल्में लाइन में हैं। कार्तिक आर्यन की ज्यादातर फिल्में हिट रही है। कार्तिक ने बॉलीवुड में अच्छी खासी जगह बना ली है।

बॉलीवुड | मसाला

मलाइका अरोड़ा बनीं लेखिका बताएंगी अच्छी सेहत का राज

मलाइका अरोड़ा ने जानकारी दी है कि वे लेखिका बनने जा रही हैं। वे पोषण और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अपनी पहली किताब लिखेंगी। मलाइका को लोग मॉडल, एक्ट्रेस, डांसर और रियलिटी टीवी शोज की जज के तौर पर पहचानते हैं। लोग अब उनकी लेखनी से परिचित होंगे। मलाइका लेखिका बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने गुरुवार 16 जून को अपनी पहली किताब का ऐलान किया और कहा कि यह किताब सेहत के बारे में होगी। मलाइका किताब में सेहत से जुड़े टिप्स देंगी। वे पिछले कुछ सालों से सोशल मीडिया के जरिये फैंस को सेहत से जुड़े टिप्स देती रही हैं। मलाइका फैंस के बीच न सिर्फ एक सख्त फिटनेस रूटीन का पालन करने के लिए जानी जाती हैं, बल्कि फिटनेस और वेलनेस इंडस्ट्री के कई ब्रांडों और प्रोजेक्ट से भी जुड़ी हैं। वे नियमित रूप से योग करती हैं और 'सर्व योग' नाम के एक योग स्टूडियो की मालकिन भी हैं। मलाइका फिलहाल अपने लिए फोटोशूट कर रही है। वे जल्द ही अर्जुन कपूर के साथ शादी के बंधन में भी बंधने वाली है। वे अर्जुन को पसंद करती है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

करण जौहर ने बॉलीवुड की दुर्गति की बताई वजह

साउथ सिनेमा की फिल्में उन क्षेत्रों में भी सफल हुई हैं, जहां हिंदी भाषा खूब बोली जाती है। इससे भारतीय फिल्म जगत में बॉलीवुड के दबदबे पर सवाल खड़े हो गए हैं। अगर कुछ अपवादों को छोड़ दें तो हिंदी फिल्में लंबे वक्त से क्षेत्रीय भाषाओं में बनी फिल्मों से अच्छा परफॉर्म करती रही हैं, लेकिन 2021 के आखिर में माहौल बदल गया था। 'पुष्पा- द राइज', 'आरआरआर', 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'विक्रम' जैसी साउथ सिनेमा की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खूब पैसा कमाया, जबकि हिंदी फिल्में काफी हद तक विफल रहीं। एक ताजा इंटरव्यू में करण जौहर ने बताया कि बॉलीवुड क्यों पिछड़ रहा है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'पुष्पा' ने 365 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 'विक्रम' ने बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ का आंकड़ा पार किया। दूसरी ओर, 'आरआरआर' और 'केजीएफ 2' ने विश्व स्तर पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। उनकी तुलना में, सिर्फ एक हिंदी फिल्म ने 2022 में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है और वह है- 'द कश्मीर फाइल्स' जिसने विश्व स्तर पर 340 करोड़ रुपये कमाए हैं। 'सम्राट पृथ्वीराज', 'जर्सी' और 'रनवे 34' जैसी बड़े सितारों वाली हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में विफल रहीं। करण जौहर ने 'फिल्म कंपैनियन' से हुई बातचीत में कहा कि हिंदी सिनेमा को 'पेड पीआर' और 'भेड़ चाल वाली मानसिकता' की वजह से नुकसान पहुंचा है। करण कहते हैं, 'मुझे लगता है कि हम हर उस चीज से पीड़ित हैं, जिससे हमें दूर रहना चाहिए। वह चाहे पेड पीआर हो या फिर कुछ और। मुझे यह भी लगता है कि कहीं हम में विश्वास की कमी है। हम भेड़ चाल वाली मानसिकता से पीड़ित हैं।' करण ने कहा कि साउथ में फिल्म मेकर्स को अपने काम पर यकीन है, जिसकी कमी आज के हिंदी फिल्म मेकर्स में दिखती है। करण जौहर ने कहा, 'तमिल सिनेमा और मलयालम सिनेमा में हमेशा से कहानियों की भरमार रही है। वे फिल्म के आर्थिक पक्ष के साथ-साथ खूबसूरती पर भी ध्यान देते हैं।

छोटे से टापू पर मौजूद अकेले पेड़ को बचाने में लगा है ये देश!

दुनिया में कई देश अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए फेमस हैं। वहां के अधिकतर लोगों ने भी खुद को इस तरह से ढाल लिया है कि वो प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित कर चुके हैं, मगर इन्हीं देशों के कुछ लोग या अन्य देशों से आए टूरिस्ट प्राकृति और पर्यावरण को नष्ट करने में जरा भी कसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसा ही कुछ थाईलैंड में इन दिनों देखने को मिल रहा है जहां प्रशासन एक पेड़ को बचाने की मुहिम छेड़ चुकी है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार थाइलैंड में एक बेहद छोटा सा द्वीप है जिसका नाम कोह खाई हुआ रोह है। ट्रैट प्रांत में मौजूद ये आइलैंड इतना छोटा है कि इसपे सिर्फ एक पेड़ है, एक पत्थर है जिसके जरिए इसकी जड़ें नीचे तक गई हुई हैं। कुछ ही मीटर बड़े इस आइलैंड पर लोग पेड़ के साथ फोटो खिंचवाने आते हैं जिससे इसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। कुछ महीनों पर एक ट्रैवलर ने फेसबुक पर इस बात का प्रचार किया था कि इस पेड़ की लोकेशन एक प्रसिद्ध थाई कॉमिक बुक के एक सीन से मिलती है। सब तब से यहां सेल्फी लेने की होड़ लग गई। सेल्फी के अलावा लोग इस पेड़ पर लटकर फोटो खिंचवाने लगे। आइलैंड इतना छोटा है कि यहां एक बार में सिर्फ 5 लोग ही खड़े हो सकते हैं मगर लोगों की सनक के चलते ये जगह टूरिस्ट से भरने लगी। Xylocarpus rumphii नाम के इस पेड़ को ज्यादा टूरिस्ट आने से नुकसान पहुंच रहा है। प्रशासन ने जब पेड़ का जायजा लिया तो उन्होंने पाया कि पेड़ पिछले साल की तुलना में ज्यादा झुक चुका है। इसके अलावा पेड़ की कई डालियां टूट चुकी हैं और चट्टान पर लगी जड़ें भी टूटती हुई नजर आ रही हैं। इस आइलैंड को मेंटन करने वाली संस्था के निदेशक Lertrob Saithongpu द नेशन नाम की न्यूज वेबसाइट से बात करते हुए कहा था कि पेड़ को बचाने के लिए प्रशासन हर संभव कोशिश कर रही है। पेड़ के पास कुछ ही सैलानियों को आने की इजाजत होगी और चुनिंदा सीजन में ही पर्यटक यहां आ सकेंगे। इसके अलावा पेड़ को बचाने के लिए एक मुहिम चलाई जाएगी और लोगों को इसकी रक्षा करने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अजब-गजब | नहीं जानते होंगे अपने ही शरीर से जुड़ा ये अनोखा रहस्य

छींकते वक्त क्यों बंद हो जाती हैं आंखें?

जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां बहुत गर्दा है तो आपको छींक आने लगती है। कई बार तो लोगों को अन्य चीजों से भी एलर्जी होती है और वो छींकना शुरू कर देते हैं। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि इंसान को छींक क्यों आती है और या फिर छींकने के वक्त इंसान की आंखें क्यों बंद हो जाती हैं? इस क्रिया के पीछे शरीर से जुड़ा अनोखा रहस्य है जिसके बारे में जानने से पहले ये जान लीजिए कि इंसान छींकता क्यों है। छींकना शरीर की एक रक्षात्मक प्रतिक्रिया है जिसके जरिए शरीर नाक लंग्स की हवा को मुंह और नाक के जरिए शरीर से बाहर निकलता है। इसके अलावा अगर नाक में कोई बैक्टीरिया या वायरस या फिर कोई बाहरी चीज घुस जाती है तो छींकने से वो बाहर निकल जाती है। इन चीजों के अलावा पाइपराइन, कैपसेसिन जैसे केमिकल जो काली मिर्च और मिची पेपर में पाए जाते हैं, जब नाक में घुसते हैं तो इससे भी शरीर छींकता है जिससे ये केमिकल नाक से तुरंत ही निकल जाएं। कई बार तो लोगों को धूप से भी छींक आ जाती है। इसके अलावा कुछ लोगों को इमोशनल होने पर छींक आती है।

छींकते वक्त क्यों बंद हो जाती हैं आंखें?

अब जब हमें ये पता चल चुका है कि छींक के जरिए दिमाग हमारे सांस लेने के रास्ते को साफ करता है, तो चलिए अब जानते हैं कि आखिर छींकते वक्त आंखें क्यों बंद हो जाती हैं। सालों से एक अफवाह लोगों के बीच काफी प्रचलित है। वो ये कि अगर छींकते वक्त आंखें खोलने की कोशिश की जाएगी तो छींक के प्रेशर से आंख की पुतलियां बाहर निकल आएंगे। मगर ये सिर्फ अफवाह है और कुछ नहीं। दरअसल, छींकते वक्त आंखों का बंद हो जाना एक अपने आप होने वाला एक्शन है। इसका ये मतलब हुआ कि हम इस बारे में सोचते भी नहीं और हमारा शरीर ऐसा कर देता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आंखें इसलिए बंद हो जाती हैं जिससे छींकते वक्त मुंह से निकलने वाले बैक्टीरिया आंखों में ना चले जाएं। अब चूंकि आंखें अपने आप बंद हो जाती हैं तो इसमें कोई बुराई नहीं है कि वो क्यों बंद हो जा रही हैं मगर आप इस रीफ्लेक्स एक्शन को रोककर आंखें खुली भी रख सकते हैं। मगर समझदारी यही होगी कि आंखों को बंद ही रहने दें जिससे कीटाणु आपकी आंखों में ना जाएं। लगे हाथ आपको ये भी बता देते हैं कि छींकते वक्त लोग इतनी जोर से आवाज क्यों निकलते हैं। जैसा हमने पहले भी बताया कि लंग्स भी भर गई हवा, छींक के जरिए बाहर निकलती है। ऐसे में वो हवा निकलने की आवाज होती है। जितनी ज्यादा हवा होगी, उतनी ज्यादा आवाज आएगी ।

लखनऊ में टैंकर से भिड़ी पिकअप, छह लोगों की मौत, आधा दर्जन जखमी

» सभी हरदोई के निवासी घायलों का चल रहा इलाज

» पुलिस कर रही मामले की जांच-पड़ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बंथरा के बनी मोहान मार्ग पर आज तड़के तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से पिकअप सवार छह लोगों की मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। पिकअप सवार सभी लोग शादी समारोह से डीजे बजाकर लौट रहे थे। मरने वाले और घायल सभी हरदोई जनपद के रहने वाले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

शादी समारोह से डीजे बजाकर लौट रहे थे पिकअप सवार

लतीफनगर के पास तेज रफ्तार टैंकर ने आज तड़के करीब तीन बजे पिकअप में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। चीख-पुकार सुनकर आस-पड़ोस के लोग दौड़े। पिकअप और टैंकर में दर्जनों लोग फंसे हुए थे। चीख-पुकार मची थी। किसी तरह लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस सभी को लेकर केजीएमयू के ट्रामा सेंटर पहुंची। जहां डाक्टरों ने परीक्षण के बाद छह को मृत घोषित कर दिया। वहीं, छह की हालत नाजुक है और उनका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक बंथरा अजय प्रताप सिंह के मुताबिक बनी मोहान रोड पर लतीफ नगर के पास किरण मोटर्स के सामने पिकअप और टैंकर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें हरदोई के अतरौली निवासी शैलेंद्र , रामआधार, पुरुषोत्तम, संभर, राहुल और जयकरण शामिल है। संभर और जयकरण भाई बताए जा रहे हैं। हादसे में छह लोग घायल हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फैजाबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला मुंशी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। फैजाबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने कचहरी में ही मुशी का काम करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। फैजाबाद के जिला जज को 2 जून को एक धमकी भरा पत्र मिला था, जिसमें कोर्ट में बम धमाके की चेतावनी दी गई थी।

जिला जज ने रजिस्टर्ड डाक से धमकी भरा पत्र मिलने के बाद अयोध्या के एसएसपी शैलेश पांडे को इसकी सूचना दी। पत्र भेजने वाले का नाम राशिद अली वल्द याकूब अली लिखा था। पुलिस ने राशिद को हिरासत में ले लिया। जांच आगे बढ़ी तो कचहरी में मुंशी का काम करने वाले मोहम्मद वलीम का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि उसने राशिद को फंसाने के लिए ऐसा किया था। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

प्रयागराज हिंसा

एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष समेत पांच के खिलाफ वारंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अटाला बवाल मामले में फरार चल रहे पांच आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। इनमें एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष शाह आलम समेत अन्य शामिल हैं। अन्य आरोपियों में करेली का पार्षद व राजद्रोह मामले में जेल जा चुका फजल, उमर खालिद, आशीष मित्तल, जीशान रहमानी हैं। सभी की तलाश की जा रही है।

» पुलिस दे रही दबिश, सभी अरोपी हैं फरार

अटाला बवाल मामले में खुल्दाबाद पुलिस की ओर से 70 लोगों को नामजद करते हुए पांच हजार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इनमें मुख्य आरोपी जावेद मोहम्मद के साथ ही अन्य शामिल हैं। घटना में एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष शाहआलम के अलावा करेली का पार्षद फजल, उमर खालिद, आशीष मित्तल और जीशान रहमानी भी नामजद किए गए। उमर व जीशान 2020 में मंसूर अली पार्क में हुए सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से शामिल थे। 10 जून को हुए बवाल के बाद से ही कई अन्य के साथ पांचों आरोपी भी फरार चल रहे हैं। चर्चा थी कि आरोपी कोर्ट में आत्मसमर्पण करने की तैयारी में हैं, जिसे देखते हुए पुलिस ने उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी कराने की तैयारी की थी। इसके तहत पुलिस ने कोर्ट में अर्जी दी जिसे स्वीकार करते हुए शुक्रवार को पांचों आरोपियों के खिलाफ वारंट जारी कर दिया गया। एसएसपी अजय कुमार ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी हुआ है।

अभी यूपी को करना होगा मानसून का इंतजार

» पश्चिमी विक्षोभ से बदला मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में मानसून की दस्तक में अभी एक सप्ताह की देरी है। उत्तर प्रदेश की तरफ से बढ़ रहा मानसून दो दिन पहले बिहार में दाखिल होकर ठिठक गया है। हालांकि बदले मौसम से राज्य में गर्मी से मामूली राहत मिली है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर तैयार निम्न हवा के दबाव का क्षेत्र और अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान से जम्मू एवं कश्मीर की तरफ बढ़े पश्चिमी विक्षोभ ने मौसम में बदलाव किया है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बरसात हुई है। ऐसे ही पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में दो-तीन चरण में बरसात हुई है। लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, आगरा, अलीगढ़ में बौछारें पड़ीं। मौसम विभाग लखनऊ के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि मानसून बिहार में पहुंचकर ठिठक गया है। उत्तर प्रदेश में 18 जून को मानसून के आगमन का पूर्वानुमान लगाया गया था पर जो

स्थितियां उसे देखते हुए अभी मानसून के लिए सप्ताह भर इंतजार करना पड़ सकता है। वैसे मौसम अगले दो-तीन दिन तक ऐसा ही बना रहेगा। बदली और बौछारें पड़ने की संभावना है। वहीं पूरे राज्य में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है।

लखनऊ मौसम विभाग को जिन 33 जिलों की रिपोर्ट मिली है उनमें सिर्फ बलिया, लखनऊ, इटावा, कानपुर एयरफोर्स और लखीमपुर में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर रहा बाकी सभी जगह तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के रिकार्ड किया गया। बदले मौसम ने गर्मी से मामूली राहत के साथ पूरे राज्य की हवा सुधार दी है।

75 हजार स्थानों पर साढ़े तीन करोड़ लोग करेंगे योग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को 75 हजार जगहों पर योगाभ्यास होगा। इसमें करीब साढ़े तीन करोड़ लोग एक साथ जुड़ेंगे। योग दिवस पर सांस्कृतिक व ऐतिहासिक स्थलों पर विशेष आयोजन होगा।

» 21 जून को सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों पर होगा विशेष आयोजन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम इस बार 'मानवता के लिए योग' है। यह सुनिश्चित कराया जाए कि सभी 58 हजार ग्राम पंचायत, 14 हजार नगरीय वार्ड के लोग कार्यक्रम से जुड़ें। इस तरह साढ़े तीन करोड़ लोगों को योग से जोड़ने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा चयनित प्रदेश के छह स्थलों सारनाथ, रेजीडेंसी, अयोध्या, कुशीनगर, फतेहपुर सीकरी और हस्तिनापुर में बड़े आयोजन किए जाने हैं। इसमें केंद्रीय मंत्री मौजूद रहेंगे। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा राजभवन (लखनऊ), त्रिवेणी संगम (प्रयागराज), झांसी किला, मथुरा, मां विंध्यवासिनी धाम परिसर (मिर्जापुर) गोरखनाथ मंदिर परिसर (गोरखपुर), नैमिषारण्य (सीतापुर), काशी विश्वनाथधाम (वाराणसी), बिठूर (कानपुर), चित्रकूट, श्रावस्ती और अक्षय वट वाटिका (मुजफ्फरनगर) के धार्मिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्व के स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन कराया जाए।

भाजपा के लिए नौजवानों का गुस्सा अग्निपरीक्षा

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना के खिलाफ नौजवानों में गुस्सा भड़क उठा है। यूपी, बिहार सहित कई राज्यों में युवाओं ने प्रदर्शन कर योजना को वापस लेने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि सरकार को इस योजना को कृषि कानूनों की तरह वापस लेना पड़ेगा। ऐसे में सवाल उठता हैं कि अग्निपथ की अग्नि झुलसा ना दे भाजपा को? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, डॉ. राकेश पाठक, चिंतक सीपी राय, प्रो. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सीपी राय ने कहा, पूर्व सेनाध्यक्ष आज सरकार में राज्यमंत्री है, उनका प्रमोशन तक नहीं हुआ। उनका कहना है कि हमें नहीं मालूम, योजना आने दीजिए। याद हो, जब नोटबंदी आई तो अपनी ही सरकार के सीनियर मंत्रियों के फोन बाहर रखवा दिए गए थे। बैठक में पीएम मोदी ने कहा मैंने निर्णय ले लिया है नोटबंदी का। इसी तरह जीएसटी के मामले में किया गया।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि बीते आठ सालों में देश का धन्ना सेठों का हजारों करोड़ का कर्जा माफ कर दिया गया है। कई हजार करोड़ लेकर लोग विदेश तक भाग गए। आज जिन युवाओं को सड़कों पर देख रहा हूं, ये सब जनसेवा के रूप में होंगे। ये दुनिया की एकमात्र सरकार होगी, जहां सरकार के अपने फैसले से इनके ही मंत्री अनभिज्ञ होते हैं।

सतीश के सिंह ने कहा जय जवान, जय किसान के साथ जय नौजवान भी अब जुड़ गया है। बिहार में और कुछ ज्यादा करने के लिए हैं नहीं, नौकरी वहां किसी भी लेवल की हो, सरकार का ठप्पा लग जाए, फौज का ठप्पा लग जाए तो अति उत्तम। नौकरी के अलावा कोई दूसरा रास्ता है ही नहीं। वे पूरा पैसा इसमें लगा देते हैं और अगर उसको ये पता लगेगा कि चार साल की ही नौकरी है तो ये जो गुस्सा है बिहार की सड़कों पर दिखा है तो उसी का नतीजा है। पर इसका मतलब ये नहीं कि ट्रेनों में आग लगा दे तो क्या मातृभूमि की रक्षा करेंगे। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा जब ये अग्निवीर सोसायटी में छोड़ दिए जाएंगे, बेरोजगार हो जाएंगे तो अपने को ये संभालेंगे कैसे, ये सबसे बड़ा विषय है।

गुजरात में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही सपा!

» सपा प्रमुख ने ताल ठोकने के दिए संकेत

» गुजरात की प्रदेश कार्यकारिणी की गठित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुजरात विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ ताल ठोकने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि पांच महानगरों के अतिरिक्त पूरा गुजरात बंजर और उजाड़ रहे हैं। 95 प्रतिशत गुजरात अंधकार में डूबा है। ऐसे में अब वहां के लोग भाजपा से मुक्ति चाहते हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुजरात में सपा की प्रदेश कार्यकारिणी गठित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी अब गुजरात मॉडल का छलावा जनता के सामने लाएगी।

उन्होंने कहा कि पांच महानगरों के अतिरिक्त पूरा गुजरात बंजर और उजाड़ है। पांच प्रतिशत चकाचौंध के अतिरिक्त बाकी 95 प्रतिशत गुजरात अंधकार में डूबा हुआ है। गांव में सड़कें नहीं है। बिजली का संकट बरकरार है। चिकित्सा व्यवस्था बदहाल है। ठेकेदारी प्रथा से आंशिक रोजगार मिला है। सपा अध्यक्ष ने गुजरात में पार्टी की कमान वडोदरा निवासी देवेंद्र उपाध्याय को सौंपी है। अभिलाष धनेशा, विजय कुमार यादव व अहीर मयूर सोलंकी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रमुख महासचिव के पद पर राम सेवक साहनी व कोषाध्यक्ष हसीब अंसारी को बनाया गया है। महासचिव के पद पर किरन कन्सारा, भीखा भाई हरभा एवं अरविन्द चौबे नामित हुए हैं। इनके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी में 25 सचिव और 67 सदस्य बनाए गए हैं। अखिलेश ने कहा कि गुजरात में भाजपा के सत्ताकाल के 25 वर्ष घोर निराशाजनक रहे हैं। किसानों-नौजवानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की आय में दो दशकों में कोई गुणात्मक अंतर नहीं आया है। सूरत, बड़ौदा, अहमदाबाद, गांधीनगर, जामनगर, राजकोट सहित पूरे गुजरात में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है।

युवा विरोधी सत्ता को भस्म कर देगी विरोध की ज्वाला

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की सेना में भर्ती की नई योजना 'अग्निपथ' के प्रति नौजवानों में व्यापक आक्रोश दिखाई दे रहा है। देश-प्रेम की भावना के साथ मेहनत कर कई वर्षों से तैयारी करने वाले युवाओं को सेना में भर्ती के नाम पर भाजपा सरकार ने चार साल का धोखा दिया है। सरकार के खिलाफ युवा शक्ति का एकजुट होना साबित करता है कि इनके सब्र का बांध टूट गया है। सत्ता के नशे में चूर भाजपा सरकार को यह दिखाई नहीं दे रहा है कि देश के कई प्रदेशों में भड़की विरोध की ज्वाला युवा विरोधी सत्ता को भस्म कर देगी। अखिलेश ने कहा कि पिछले कई साल से सेना में भर्ती नहीं हो पाई है। जो भर्तियां हुईं वह भी कोविड से प्रभावित हो गईं। अब उन्हें निरस्त किया जा रहा है।

नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज देश की स्थिति इतनी विकराल है कि सेना जैसी अति संवेदनशील जगह में संविदा पर सैनिक रखे जा रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने सरकार से प्रश्न किया कि विवादित भर्ती योजना 'अग्निपथ' से नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है? देश की सुरक्षा कोई अल्पकालिक या अनौपचारिक विषय नहीं है। यह अति गंभीर और दीर्घकालिक नीति की अपेक्षा करती है।

प्रियंका गांधी ने शेयर की पुरानी चिट्ठी, कहा

देश के युवाओं का दर्द समझिए राजनाथ सिंह

» कांग्रेस महासचिव ने आर्मी में भर्ती को लेकर सरकार पर बोला तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सेना में भर्ती को लेकर अग्निपथ स्कीम पर देशभर में बवाल मचा है। देश के कई हिस्सों में अग्निपथ को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आर्मी में भर्ती को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखी एक पुरानी चिट्ठी शेयर की है। उन्होंने कहा मैंने 29 मार्च को रक्षा मंत्री को पत्र लिख युवाओं की मांगों पर ध्यान देकर तुरंत समस्या के समाधान का निवेदन किया था लेकिन सरकार ने अब तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रियंका ने राजनाथ सिंह से कहा कि आर्मी में भर्ती के लिए तैयारी करने वाले युवाओं के दर्द को समझना होगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से से आग्रह किया कि सेना में खाली पड़े पदों को भरने के लिए तत्काल फैसले लिए जाएं। उन्होंने कहा कि तीन साल से सेना में भर्ती नहीं आई है। युवा निराश और हताश है। प्रियंका गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, आर्मी भर्ती की तैयारी करने वाले ग्रामीण युवाओं का दर्द समझिए। तीन साल से भर्ती नहीं आई। दौड़-दौड़ के युवाओं के पैरों में छाले पड़ गए, वे निराश-हताश हैं। युवा एयरफोर्स भर्ती के रिजल्ट और नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे। सरकार ने उनकी स्थाई भर्ती, रैंक, पेंशन, रुकी भर्ती, सब छीन लिया।

सेना में खाली पड़े पदों को भरने का आग्रह

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने 29 मार्च को लिखी चिट्ठी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आग्रह किया था कि सेना में खाली पड़े पदों को भरने के लिए तत्काल भर्ती निकाली जाए और युवाओं को आयुसीमा में दो साल की छूट दी जाए। उन्होंने रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में यह भी कहा कि लंबे समय से भर्ती नहीं होने, रिजल्ट और नियुक्तियों में विलंब के कारण युवाओं में भारी निराशा है।

धर्मेंद्र यादव के लिए वोट मांगेंगे आजम खां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान आज आजमगढ़ में हैं। आजम यहां सपा प्रत्याशी धर्मेन्द्र यादव के पक्ष में मुबारकपुर और बिलरियागंज में लोकसभा उपचुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं भी करेंगे। आजमगढ़ में वह आठ साल बाद किसी राजनीतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आ रहे हैं।

इस दौरान उनके साथ बेटे अब्दुल्ला आजम भी रहेंगे। यहां 23 जून को वोट डाले जाएंगे। आजम खान इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान आजमगढ़ आए थे। वह जिले के आईआईटी मैदान में आयोजित देश बनाओ-देश बचाओ रैली में शामिल हुए थे। सपा की उस ऐतिहासिक रैली का शुभारंभ भी आजमगढ़ जिले से 29 अक्टूबर 2013 को हुआ था। गौरतलब है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के वरिष्ठ नेता अबू आजमी सपा के कार्यक्रमों में दूर-दूर तक नजर नहीं आए। पर इस उपचुनाव में सपा ने मुस्लिम समाज के नेताओं को मैदान में उतार दिया है। इसका भी प्रमुख कारण बसपा प्रत्याशी शाह आलम गुड्डू जमाली हैं। सपा के वरिष्ठ नेता अबू आजमी जिले में चार दिन तक धर्मेन्द्र यादव के पक्ष में जनसंपर्क करते नजर आए।

अग्निपथ का विरोध, टिकैत के नेतृत्व में निकला पैदल मार्च

» हरिद्वार में जुटे देशभर के किसान, जताया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। अग्निपथ के विरोध में हरिद्वार में पहुंचे देशभर के किसानों ने पैदल मार्च निकाला। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी में ऐलान किया गया कि अग्निपथ योजना समेत किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए अब 30 जून को देशभर में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा।

धर्मनगरी में चल रहे भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के तीन दिवसीय किसान महाकुंभ (चिंतन शिविर) को यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत के नेतृत्व में लालकोठी से रोड़ीबेलवाला मैदान तक पैदल मार्च निकालने का निर्णय लिया गया था। इसी के तहत राकेश टिकैत के नेतृत्व में किसानों ने मार्च निकाला। भारतीय किसान यूनियन रोड गुट के प्रदेश अध्यक्ष पद्म सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना युवाओं के लिए छलावा है। इसका किसान संगठन कड़ा विरोध करेंगे। इसके विरोध में हरिद्वार में निकलने वाली पैदल यात्रा में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। वहीं भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के जिलाध्यक्ष विजय शास्त्री का कहना है कि केंद्र सरकार ने युवाओं के साथ मजाक किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में योजना को लेकर आंदोलन भी शुरू हो गया है। लेकिन यह विरोध हिंसक नहीं होना चाहिए। उन्होंने देशभर के युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने का आह्वान किया है। राकेश टिकैत ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना और हिंसा करना राष्ट्रहित में नहीं है।

यूपी बोर्ड : 10वीं में प्रिंस पटेल ने किया टॉप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित 47 लाख परीक्षार्थियों के लिए यादगार दिन है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की शैक्षणिक वर्ष 2021-22 की इस वर्ष आयोजित हाईस्कूल (कक्षा 10) और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की घोषणा कर दी गई है। इसी क्रम में सबसे पहले 10वीं के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। जारी आकड़ों के अनुसार, 88.18 फीसदी 10वीं में, 91.69 फीसदी 12वीं में सफल हुए हैं। परीक्षा परिणाम पर प्रेस कॉन्फ्रेंस चल रही है।

परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं का परिणाम जारी हो गया है। हाई स्कूल का 88.18 फीसदी परिणाम रहा। लड़कों में कानपुर के प्रिंस पटेल ने टॉप किया है। लड़कियों में मुरादाबाद की संस्कृति ठाकुर पहले नंबर पर रहीं हैं। परिणामों की घोषणा के बाद परीक्षार्थी अपने नतीजे आधिकारिक वेबसाइट, results.upmsp.edu.in और upresults.nic.in पर देख सकते हैं। हाईस्कूल के परिणाम में बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत में 5.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जबकि लड़कियों के उत्तीर्ण प्रतिशत में 4.40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रयागराज का रिजल्ट 89.93 प्रतिशत रहा। कानपुर के प्रिंस पटेल टॉपर, मुरादाबाद की संस्कृति ठाकुर और कानुपर नगर की किरन कुशवाहा दूसरे नंबर पर है। जबकि कनौज के अनिकेत शर्मा तीसरे नंबर पर, प्रयागराज से आस्था चौथे नंबर पर, सीतापुर से एकता पांचवें नंबर पर, सीतापुर की शीतल वर्मा छठे नंबर पर, मऊ की हर्षिता शर्मा सातवें नंबर पर, वाराणसी के अशुतोष कुमार आठवें नंबर पर के अलावा रायबरेली के अजय प्रताप आठवें नंबर पर रहे।

जम्मू-कश्मीर में साल के अंत तक हो सकते हैं इलेक्शन!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। यहां एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव कराने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन की कवायद हाल ही में पूरी हुई है, जिसके बाद अब कश्मीर में 47 और जम्मू में 43 सीटों के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। इससे पहले रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम रिसार्ट में हिमालयन म्यूजियम का उद्घाटन किया। यह म्यूजियम जवाहर इंस्टीट्यूट माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स में बनाया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।